

UNIVERSITY OF LUCKNOW



नूतनशिक्षानीति: 2020

अनुरूपः

अध्ययनमण्डलसंशोधितः

(22nd March 2024)

चतुर्वर्षीयस्नातक-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः, लखनऊ

Ganesh Singh
22/03/24

[Signature]
22.03.24

Satyakant
22/3/24

Richa
22/03/24

[Signature]
22/3/24

[Signature]
22/03/2024

mrs. [Signature]
22-3-24

[Signature]
22/03/24

विषय - संस्कृत

Total Credits

* Students will study courses P-13 to P-20 in the Subject that they choose the continue in year 4.

**** All Students will have to pass the Rashtra Gaurav for obtaining certificate, diploma, undergraduate degree or undergraduate honours degree with research, only once.**

CC : Co-curricular Course, VC : Vocational Course.

Students will have to pass the Kashitra Gaurav for obtaining certificate, diploma, undergraduate degree or undergraduate honours degree with research, only once.

Co-curricular Course, VC: Vocational Course.

Yamav Sinha 22/03/2024
MCS91/22 22-3-24
Dinesh 22/03/24
Amit 22/03/24
Bhaskar 22/03/24
Rishi 22/03/24
Vibha 22/03/24
Gaurav 22/03/2024

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. First Semester)

(Minor)
(प्रश्नपत्र Q-1)

Credits-02

(संस्कृतपद्यकाव्यम्)

T/02

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

महाकविकालिदासकृतकुमारसम्भवम् पञ्चमसर्गः श्लोकाः 1-25

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

भारविकृतं किरातार्जुनीयम्-प्रथमसर्गः श्लोकाः 1-23

(मूलपाठस्य संस्कृतभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

माघकृतं शिशुपालवधम्-प्रथमसर्गः श्लोकाः 1-25

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

संस्कृतपद्यसाहित्येतिहासः

(वाल्मीकिः, व्यासः, कालिदासः, भारविः, माघः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः) रायल बुक डिपो, लखनऊ
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- शिशुपालवधमहाकाव्यम्, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डा. अशोककुमार शतपथी, संस्कृत विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
- कालिदास ग्रन्थावली - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी-चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Gaurav Singh
22/03/24

22/03/2024

22/3/24

22/3/24

Richa
22/03/24

22/3/24

मध्यमसिंह
22-3-24

22/3/2024

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Second Semester)

(Minor)
(प्रश्नपत्रम् Q-2)

(काव्यशास्त्रविमर्शः)

T/02

Credits-02

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)

साहित्यदर्पणः (प्रथमपरिच्छेदः)

(काव्यलक्षणम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

साहित्यदर्पणः (द्वितीयपरिच्छेदः)

(वाक्यलक्षणं, महाकाव्यलक्षणं, शब्दशक्तिविमर्शादि विषयः)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

साहित्यदर्पणः (षष्ठपरिच्छेदः)

महाकाव्य-खण्डकाव्य-गद्यकाव्य-चम्पूकाव्यादीनां सभेदलक्षणोदाहरणानि।

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

साहित्यदर्पणः (दशमपरिच्छेदः)

निर्दिष्टाः पञ्च-अलंकाराः

(अनुप्रास, यमक-श्लेषसभेदाः, उपमासभेदाः, रूपकसभेदाः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- काव्यशोभा, (साहित्यदर्पणात्संग्रहः) सम्पादकः प्रो० बृजेश कुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- साहित्यदर्पणः, विश्वनाथः, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, शालिग्रामशास्त्री, मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी।

Gaurav Singh
22/03/24

22/03/2024

Bhushan
22-3-24

Richa
22/03/24

Devyakshi
22/3/24

Arsonan
22/3/24

मयंक शिंह
22-3-24

Shweta
22/3/24

स्नातक-तृतीयषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Third Semester)

(Minor)
(प्रश्नपत्रम् Q-3)

(नाटकं गद्यकाव्यञ्च)

T/02

Credits-02

Course outcomes: अधिगमउपलब्धि-

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- विद्यार्थी संस्कृत गद्यसाहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्यकाव्यके भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।

प्रथमोवर्ग: (Unit-I)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-2 अङ्कौ)
(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयोवर्ग: (Unit-II)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3-4 अङ्कौ)
(मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयोवर्ग: (Unit-III)

कादम्बरी - शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्
(पूर्वार्द्ध:- एवं समतिक्रामत्सु.....चिन्तितापि वञ्चयति इति यावत्)

चतुर्थोवर्ग: (Unit-IV)

कादम्बरी-शुकनासोपदेशः-व्याख्यात्मकमध्ययनम्
(उत्तरार्द्ध:- एवं विधयापि चानया दुराचारया..... स्वभवनमाजगाम इति यावत्)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ कपिल देव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ उमेश चंद्र पांडेय, प्राच्य भारतीय संस्थान गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट, (संपा.) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश (कादंबरी), डॉ. उमेश चंद्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर

22/03/2024
Sreyas
22/3/24

22/03/24
Rishu
22/3/24

22.3.24
Richa
22/03/24
22-3-24

स्नातक-चतुर्थषाण्मासिकसत्रम्
(B.A. Fourth Semester)

(Minor)

प्रथमप्रश्नपत्रम् (Q-4)

Credits-02

(व्याकरणपरिचयः)

T/02

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमोवर्गः (Unit-I)

प्रत्याहारसूत्राणि, संज्ञा प्रकरणञ्च । स्वर, व्यञ्जन, इत्, लोप, सवर्ण, प्रत्याहार, ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत, उदात्त, अनुदात्त, स्वरित, संयोग, संहिता, पद, अनुनासिक परिचयः

द्वितीयोवर्गः (Unit-II)

अच् सन्धिः (यण्, अयादि, वृद्धि, गुण)

तृतीयोवर्गः (Unit-III)

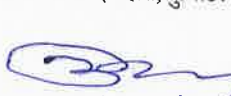
अच् सन्धिः (सवर्णदीर्घ, पूर्वरूप, पररूप)

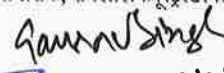
चतुर्थोवर्गः (Unit-IV)

कर्तृवाच्य परिचयः - राम, हरि, गुरु, लता, मति, नदी, कृ, भू, अस्, गम्, पठ् आदि संस्कृत दैनन्दिन वाक्य-व्यवहारः ।

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघुसिद्धांतकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघुसिद्धांतकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ. उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा प्रकाशन
- लघुसिद्धांतकौमुदी (संज्ञासंधिप्रकरण), डॉ. वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास, युधिष्ठिरमीमांसक, रामलालकपूरट्रस्टेवली


22/03/2024


22/03/24


22.3.24


22/3/24


22/03/24


22/03/24


22/3/24


22-3-24